आइए, साथ में पेंड़ लगाएं और हरित भविष्य की दिशा में कदम बढ़ाएं।

विभिन्न मानवीय क्रियाओं और प्रकृति जनित कारणों से वैश्विक जलवायु परिवर्त्तन आज हम सबके समक्ष एक चुनौती है।

औद्योगिक इकाईयों से जनित वायु प्रदूषण के दुष्प्रभावों पर नियंत्रण के लिए किए गये उपायों के अतिरिक्त हम सभी वृक्षारोपण कर इस समस्या के शमन में अपने वैद्यानिक दायित्वों व सामाजिक कर्त्तव्यों को पूरा कर सकते हैं।

इस मानसून मौसम में अपने इकाई परिसर में खाली भूमि पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे, जिनकी ऊचाई कम से कम 4' से 5' तक की हो, यथा आम, अमरूद, जामुन, इमली, कदम्ब, बेल, नारियल, अनार, अंजीर, चीकू, नींबू, पपीता, चंपा, सप्तपर्णी (चितवन), पीपल, नीम, बरगद, महोगनी, अर्जुन, शिरीष, गुलमोहर, झाऊ, शीशम आदि लगा सकते हैं।

आप सबों का एक छोटा सा प्रयास पर्यावरण संरक्षण के हित में अनमोल होगा।

साथ ही कृपया एक पेड़ माँ के नाम अवश्य लगायें।

राज्य के सभी औद्योगिक इकाई द्वारा इस दिशा में किये गये प्रयास को पर्षद् के ई.मेल– bspcbwed@gmail.com पर प्रेषित कर सकते हैं।